MAHD-01

June - Examination 2026
M.A. (Previous) Examination
HINDI
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Paper : MAHD-01

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) 'पृथ्वीराज रासो' की विषय–वस्तु का संक्षिप्त में उल्लेख कीजिए।
   (ii) विद्यापति की काव्य भाषा को समझाइए।
   (iii) कबीर की सधुक्कड़ी भाषा का क्या तात्पर्य है?
   (iv) जायसी कृत की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।
   (v) दास्य भक्ति किसे कहते हैं?
   (vi) ''मधुकर! यह कारे की रीति मन दै हरत परायो सर्वस करै कपट की प्रीति।'' उक्त पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
   (vii) भूषण कृत किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।
   (viii) मीरा की कृष्ण के प्रति भक्ति का क्या स्वरूप था?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

पाइ महावर दै न कीं, नाइनि बैठी आइ।
फिरि–फिरि, जानि महावरी, एडी मीडति जाइ।।
तौं पर करौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी, हैं उरबसी–समान।।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

या जग जानकी जीवन को जस क्यौं इस आनन गाइ अधैये।

त्यौं पद्माकर मारग हैं बहु द्वै पद पाइ कितै कितै जैये।

नाम अनंत अनंत कहैं ते कहे न परैं कहि काहि जतैये।

राम की रूरी कथा सुनिबे को करोरन कान कहौ कही पैये।।

4. 'पृथ्वीराज रासो' की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. पद्मावती काव्य के भाव सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए।

6. तुलसीदास की 'विनयपत्रिका' में भक्ति तत्व पर प्रकाश डालिए।

7. मीरा के काव्य में लोक संस्कृति का किस प्रकार चित्रण हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

8. भूषण के काव्य की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

9. घनानंद के काव्य में विरह–वर्णन पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. सूरदास के काव्य के भाव पक्ष एवं कला पक्ष का विवेचन कीजिए।

11. पद्माकर के काव्य में अनुभूति पक्ष का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

12. मलिक मोहम्मद जायसी का संक्षिप्त परिचय देते हुए सूफी काव्य परम्परा में इनके योगदान की समीक्षा कीजिए।

13. बिहारी के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचना कीजिए।
